सच कहूं सच कहूं 28 Dec 2023 - Page 5

शाह सतनाम जी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम हाईब्रिड मोड संगोष्ठी आयोजित

- एनईपी 2020 का मुख्य उद्देश्य भारत की शिक्षा को वैश्विक स्तर पर लाना : डा. किरण लता

सरसा (सच कहूँ न्यूज)।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य वक्ता व उपस्थित कॉलेज स्टाफ।

शाह सतनाम जी कॉलेज ऑफ एजुकेशन सरसा में आईक्यूएसी के सौजन्य एक दिवसीय प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम हाईब्रीड मोड संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य विषय एंपावरिंग टीचर्स इन एजुकेटिंग द डिजिटल जेनरेशन विद स्पेशल रेफ रेंस टू एनईपी 2020 रहा। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत सरस्वती वंदना के साथ की गई। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के शिक्षा विभाग से डॉ.किरण लता व मनोहर मेमोरियल कॉलेज आफ एजुकेशन, फतेहाबाद से डॉ. कविता बत्रा उपस्थित रही। कॉलेज प्रशासिका डॉ. चरणप्रीत कौर ने मुख्य वक्ता व सभी सदस्यों का स्वागत व अभिनंदन किया। रिसोर्स पर्सन व मुख्य वक्ता डॉ.किरण लता ने अपने संबोधन में कहा कि हम आज के समय प्रत्येक कार्य तकनीकी व ऑनलाइन माध्यम से करते है, लेकिन हम उसका फायदा और नुकसान नहीं देखते। तकनीकी का हमारे स्वास्थ्य और जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है, वह हम अपनी पीढ़ी को नहीं बताते हैं। एनईपी व शिक्षण अधिगम गतिविधियां, जिसमें निर्देश देने के लिए तथा अधिगम को सुगम बनाने के लिए डिजिटल उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। इसलिए डिजिटल शिक्षण अधिगम संसाधन एक ऐसा डिजिटल उपकरण है जो शिक्षकों व छात्रों को सीखने और सीखाने में सहायता करते हैं। एनईपी का मुख्य उद्देश्य भारत में प्रदान की जाने वाली शिक्षा को वैश्विक स्तर पर लाना है, जिससे कि भारत एक वैश्विक ज्ञान से महाशक्ति बन सके।

डॉ.कविता बत्रा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि स्कूल लेवल और कॉलेज लेवल के बच्चों के मानसिक स्तर में काफी अंतर होता है। जब हम कोई भी काम करते है तो उसका उद्देश्य जरूर होता है। बच्चे का सर्वांगीण विकास करना ही शिक्षक का उद्देश्य है। एक शिक्षक छात्रों को आसान तरीके से सीखाने में मदद और मार्गदर्शन करता है। बता दें कि कार्यक्रम की संरक्षक व कॉलेज प्रशासिका डॉ. चरणप्रीत कौर और प्राचार्या व संयोजक डॉ. रजनी बाला रहें। जबकि आयोजक समिति सदस्य डॉ. मोना सिवाच, डॉ.अंजू व संदीप सिंह रहे। मंच का संचालन डॉ. मीनाक्षी के द्वारा किया गया। अंत में कॉलेज प्रशासिका डॉ.चरणप्रीत कौर व कॉलेज प्राचार्या डॉ.रजनी बाला ने शाह सतनाम जी स्कूल व कॉलेज से आए हुए सभी सदस्यों और मुख्य वक्ताओं का धन्यवाद किया।

शिक्षा को वैश्विक स्तर पर लाना नई शिक्षा नीति का उद्देश्य : डॉ. लता

शाह सतनाम कॉलेज ऑफ एजुकेशन में कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि व अन्य। स्रोत :संस्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

सिरसा। एनईपी का मुख्य उद्देश्य देश में प्रदान की जाने वाली शिक्षा को वैश्विक स्तर पर लाना है, जिससे कि भारत एक वैश्विक ज्ञान से महाशक्ति बन सके। यह बात लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के शिक्षा विभाग से डॉ. किरण लता ने संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर कही।

शाह सतनाम कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आईक्यूएसी के सौजन्य में बुधवार को प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम हाईब्रीड मोड संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य विषय इंपावरिंग टीचर्स इन एजुकेशन द डिजिटल जेनरेशन विद स्पेशल रेफरेंस टू एनईपी 2020 रहा। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के शिक्षा विभाग से डॉ. किरण लता व मनोहर मेमोरियल कॉलेज आफ एजुकेशन, फतेहाबाद से डॉ. कविता बत्रा उपस्थित रही। कॉलेज प्रशासिका डॉ. चरणप्रीत कौर ने मुख्य वक्ता व सभी सदस्यों का स्वागत व अभिनंदन किया।

रिसोर्स पर्सन व मुख्य वक्ता डॉ. किरण लता ने कहा कि हम आज के समय प्रत्येक कार्य तकनीकी व ऑनलाइन माध्यम से करते है। लेकिन हम उसका फायदा और नुकसान नहीं देखते। तकनीकी का हमारे स्वास्थ्य और जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह हम अपनी पीढ़ी को नहीं बताते। उन्होंने कहा कि एनईपी व शिक्षण अधिगम गतिविधियां, जिसमें निर्देश देने के लिए तथा अधिगम को सुगम बनाने के लिए डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है।

भारत की शिक्षा को वैश्विक स्तर पर लाना एनईपी का उद्देश्य

- शाह सतनाम जी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम हाईब्रीड मोड संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। संगोष्ठी को संबोधित करती मुख्य वक्ता डा. किरणलता।

शाह सतनाम जी कॉलेज ऑफ एजुकेशन सिरसा में आईक्यूएसी के सौजन्य एक दिवसीय प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम हाईब्रीड मोड संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य विषय एंपावरिंग टीचर्स इन एजुकेशन द डिजिटल जेनरेशन विद स्पेशल रेफ रेंस टू एनईपी 2020 रहा। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के शिक्षा विभाग से डॉ. किरण लता व मनोहर मेमोरियल कॉलेज आफ एजुकेशन, फतेहाबाद से डॉ. कविता बत्रा उपस्थित रही।

रिसोर्स पर्सन व मुख्य वक्ता डॉ. किरण लता ने अपने संबोधन में कहा कि हम आज के समय प्रत्येक कार्य तकनीकी व ऑनलाइन माध्यम से करते है, लेकिन हम उसका फायदा और नुकसान नहीं देखते। तकनीकी का हमारे स्वास्थ्य और जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह हम अपनी पीढ़ी को नहीं बताते हैं। एनईपी व शिक्षण अधिगम गतिविधियां, जिसमें निर्देश देने के लिए तथा अधिगम को सुगम बनाने के लिए डिजिटल उपकरणों का प्रयोग किया जाता है।

बता दें कि कार्यक्रम की संरक्षक व कॉलेज प्रशासिका डॉ. चरणप्रीत कौर और प्राचार्या व संयोजक डॉ. रजनी बाला रहे।

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL
of
Shah Satnam Ji College of Education, Sirsa
Organizes a
on

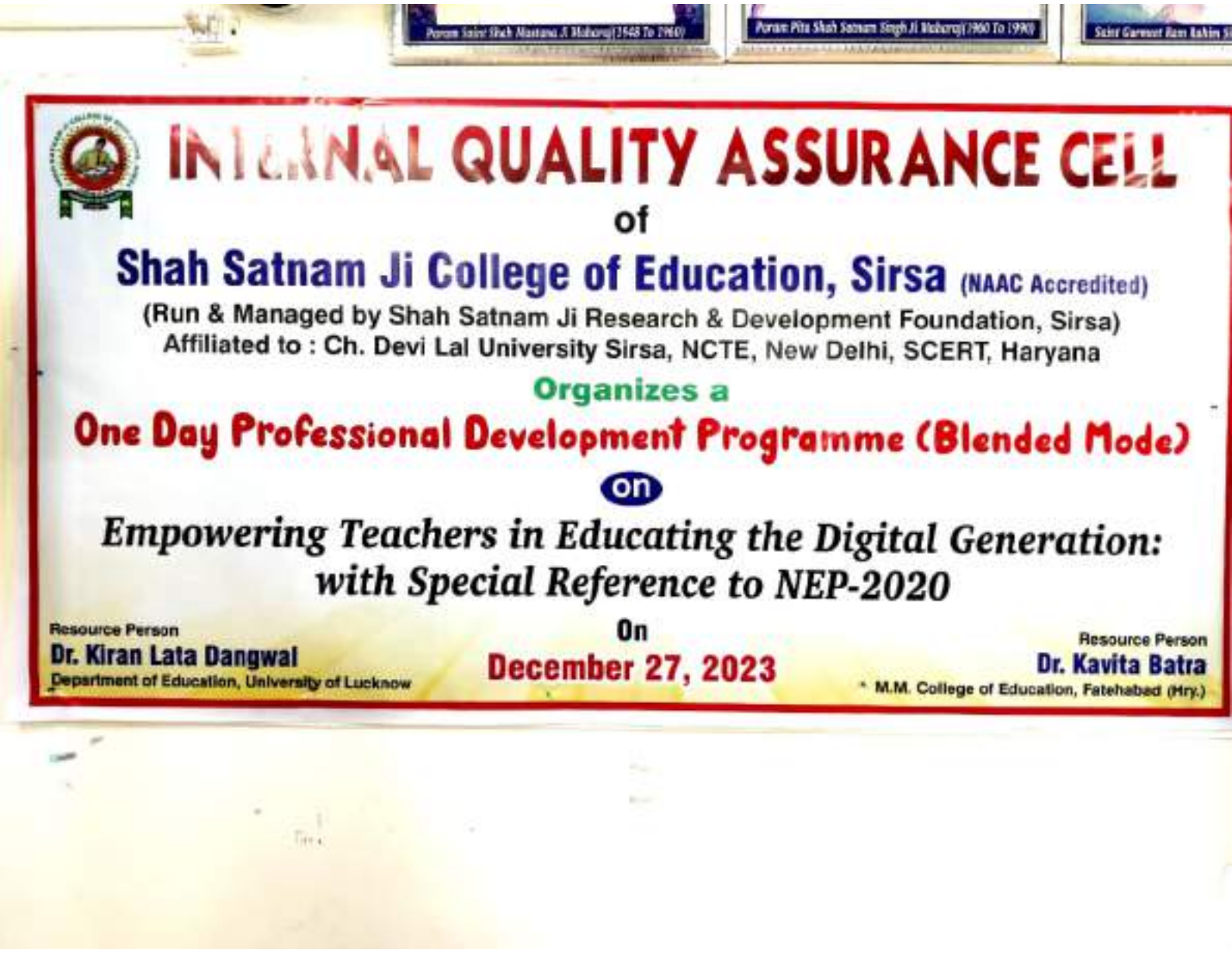
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL
of
Shah Satnam Ji College of Education, Sirsa (NAAC Accredited)
(Run & Managed by Shah Satnam Ji Research & Development Foundation, Sirsa)
Affiliated to : Ch. Devi Lal University Sirsa, NCTE, New Delhi, SCERT, Haryana
Organizes a
One Day Professional Development Programme (Blended Mode)
on
Empowering Teachers in Educating the Digital Generation:
with Special Reference to NEP-2020
Resource Person
Dr. Kiran Lata Dangwal
Department of Education, University of Lucknow
On
December 27, 2023
Resource Person
Dr. Kavita Batra
M.M. College of Education, Fatehabad (Hry.)

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL
of
Shah Satnam Ji College of Education, Sirsa

SSJCOE-SC-118-2023

Dated-23-12-2023

Shah Satnam Ji College of Education, Sirsa.

STAFF CIRCULATION

All the members of the staff are informed that IQAC of the college is going to organize a One Day Professional Development Programme (PDP) on the theme "Empowering Teachers in Educating the Digital Generation : with Special Reference to NEP-2020 on 27-12-2023.Some duties are assigned to all the members of the staff, kindly note it.

Stage Conduct	Dr. Meenakshi
Organizing Committee	Dr. Mona Siwach, Dr. Anju Rani, Mr. Sandeep Singh
Registration Committee	Mr. Suresh Kumar, Mrs. Gurjot Kaur, Mr. Sahil Sachdeva
Refreshment Committee	Dr. Mona Siwach, Mr. Mewa Ram, Mrs. Anupam
Technical Arrangement	Mr. Sahil Sachdeva, Mrs. Karinderpal Kaur
Attendance Record	Mrs. Rajni Bala, Mr. Ajay
Certificate/Gifts/Mementoes Arrangements	Mrs. Karinderpal Kaur, Mrs. Gurjot Kaur
Seating Arrangement	Mr. Mewa Ram, Mr. Suresh Kumar
Flex Arrangement	Mr. Sandeep Singh, Mr. Mewa Ram
Photography	Dr. Anju Rani, Mr. Ajay
Report Writing	Dr. Anju Rani, Mrs. Gurjot Kaur
News Writing & Sending	Mr. Suresh Kumar

Principal

23/12/2023

One Day Professional Development Programme (Blended Mode)

Empowering Teachers in Educating the Digital Generation: With Special Reference to NEP 2020

Date: 27/12/2023

Internal Quality Assurance Cell of Shah Satnam Ji College of Education, Sirsa organized a one day Professional Development Programme (Blended Mode) on 27/12/2023.The theme of professional development programme was **"Empowering Teachers in Educating the Digital Generation: With Special Reference to NEP 2020"**. The major objective of this PDP was to disseminate information, facilitate discussion and foster a comprehensive understanding and potential impact on the education system. Participants from various educational institutes participated in PDP. Dr. Kiran Lata Dangwal from Department of Education, University of Lucknow and Dr.Kavita Batra, Assistant Professor, Manohar Memorial College of Education, Fatehabad were resource persons of this PDP. Dr. Charanpreet Kaur (Administrator) was Patron of this PDP. Dr.Rajni Bala (Principal) was convener of this PDP. This programme was hosted by Dr. Meenakshi.

This programme started with lightening of the lamp and Saraswati Vandana. Dr. Charanpreet Kaur welcomed the resource persons and all the participants, who joined this PDP in both online and offline mode. After this Dr. Kiran Lata Dangwal addressed the participants. In her address,

she emphasized on the re-skilling, need based learning, restructuring of education, designer lectures etc. Apart from this, she also threw light on the impact of technology on health and life, urging reflection on its benefits and drawbacks. Moreover, she highlighted the role of digital tools in guiding educational activities and facilitating learning. She also said that NEP's primary goal is to elevate education in India to a global standard, empowering the country with global knowledge.

Dr. Kavita Batra expressed her views on the significant difference in the mental level of school and college level students. She also said that the purpose of these digital education resources is to foster holistic development. A teacher serves as a guide, making learning easy and providing direction.

The participants from various educational institutes participated actively in this PDP and had a very interactive session. Both of the resource persons answered the questions of the participants very well. Apart from this, the participants also gave suggestions for organization of such programmes and said that college should organize more such programs in the future. All the participants were quite satisfied with the information shared on this PDP. Approximately 100 (70 Online and 30 offline) participants attended this PDP.

At the end of the PDP, Dr, Rjani Bala (Principal Cum Convener) addressed the participants and thanked the resource persons for sharing valuable information. She also said that such

programmes are helpful in recalling the information. Apart from this, she also expressed her gratitude to administration, all the staff members and participants, who attend this programme in both offline and online mode for their contribution in making this PDP a success. Dr. Charanpreet Kaur (Patron) and Dr. Rajni Bala (Principal Cum Convener) presented Token of Love to both of the resource persons. At the end of the programme, refreshment was served to all the participants.

27/12/2023

Principal
Shri Satnam Ji College
of Education, Sirsa-125055

Prepared By:
Dr. Anju Rani
Mrs. Gurjot Kaur